सम्पादकीय

महिला को आत्म निर्भर और सशक्त बनाने की करें पहल

8 मार्च को पूरी दुनिया में महिला दिवस मनाया जाता है। मकसद सिर्फ यही है कि महिलाएं कैसे सशक्त और आत्म निर्भर बनें। इसके लिए तमाम आरक्षण, सहायता और सुविधाएं मुहैया कराई जाती हैं। इसके साथ ही कई ऐसे कानून बनाए गए हैं, इसके बावजूद ना तो बेटियां सुरक्षित हैं और ना ही सशक्त हुई हैं। बढ़ती दानवी प्रवृत्ति से बेटियों की इज्जत तार-तार हो रही है। अब यह सवाल सुरसा के समान मुंह बाये खड़ा है कि आखिर कैसे हमारी और आपके बेटियों की इज्जत बचेगी और बेटियां सुरक्षित होंगी। ना तो लोगों को कानून का डर और ना ही लाज रह गई है। जो हैवानियत करते हैं वे कोई पाताल से नहीं बल्कि इसी दुनिया, समाज और हमारे आपके परिवार से ही सम्बन्ध रखते हैं। आखिर समाज में बढ़ रहे इस दुष्कृत्य रूपी राक्षस से कैसे मुक्ति मिलेगी। अगर सोचा जाए तो सबसे पहले मनुष्य की चेतना ही वह चीज है जिससे लगाम लगाया जा सकता है। मन की सोच और घटिया मानसिकता बदलेगी, तभी हमारा दृष्टिकोण बदलेगा। जरूरत है कि हम अपने मन में फैली सड़ी गली गंदी सोच रूपी गंदगी को दूर फेकें, निकाले, सफाई करें। इसके लिए परमात्मा ने हमें ज्ञान रूपी जो झाड़ू दिया है उससे नित्य प्रतिदिन सफाई करते हुए योग का जौहर भरें। इससे ही हमारी सोच बदलेगी और बेटियां सशक्त बनेंगी। इस पर आज सभी को गंभीरता से सोचने की जरूरत है।

महिला सशक्तिकरण का बेहतरीन उदाहरण है ब्रह्माकुमारीज संस्थान

मेरी कलम से

वजुभाई रूदाभाई वाला
राज्यपाल, कर्नाटक

आज हमारे समाज में जिस तरह से छोटी मानसिक प्रवृत्तियां दूषित हो रही है वह चिंता का विषय है। हम अपने घर, परिवार और समाज में किसी भी रूप से सुख व चैन का एहसास नहीं कर रहे हैं। जब कि हम लगातार इसे पाने की कोशिश कर रहे है। भारत की संस्कृति आपस में भाईचारा बढ़ाने, एकता के सूत्र में पिरोने की रही है। इसलिए आज भी दुनिया में भारत का नाम लिया जाता है। परमात्मा शिव की मान्यता तो सभी देवताओं में है। इसलिए इन्हें महादेव कहते है। यह हमारी आस्था और भावना का पर्व है, साथ ही पतित से पावन बनने का अवसर भी है। जब हम अध्यात्म के चश्मे से पूरे विश्व को देखेंगे तो कोई भी यहां पराया नहीं होगा। परमात्मा ने हमें ज्ञान और बुध्दि का ऐसा शस्त्र दिया है कि जिसके जरिये हमें खुद के साथ दूसरों के वास्तविक रूप को देख सकेंगे। इससे ही हमारे देश में शांति एवं सद्भावना आयेगी। हमारे देश में लगातार आसुरी प्रवृत्तिया लगातार शांति और सद्भावना को तोडने का प्रयास करती रही है। परन्तु परमेश्वर के बनाये इस समाज को परमात्मा किसी ना किसी रूप से बल देता रहा है। काम, क्रोध, मद, लोभ में व्यक्ति इतना स्वार्थी और अंधा होता जा रहा है कि उसने अपने और पराये की परिभाषा और सीमायें समाप्त कर दी है। मर्यादाओं की टूटती डोर, अपराधों का बढ़ता ग्राफ हमारे समाज और परिवार के लिए शुभ नहीं है। हमारा देश लगातार विकास की सीढ़िया चढ़ते हुए नये आयाम को तय कर रहा है। हमे जरूर इस बात पर सोचना चाहिए कि हम ज्ञानवान देश के नागरिक के रूप में जाने जाते है। परन्तु समाज में कुछ ऐसी घटनायें ऐसी होती है जो अज्ञानता की रात्री से कम नहीं है। यह अज्ञानता की रात्रि मानव जाति के लिए सबसे ज्यादा खतरा है। इससे निकलने के लिए और मानवता के पुष्प लगाने के लिए ही परमात्मा का इस सृष्टि पर अवतरण होता है।यदि देखा जाये तो पूरी दुनिया आज अज्ञान अंधकार है। लड़ाई-झगड़ा, आतंकवाद, भ्रष्टाचार सब आसुरी प्रवृतियों का ही प्रमाण है। जहाँ तक मुझे ज्ञात है, कि यह संस्थान पूरे विश्व में ना केवल आध्यात्मिक जागृति फैलाता है बल्कि नशा और कुरीतियों से मुक्ति भी दिलाने का कार्य करता है। लाखों लोग जो इस संस्था से जुड़े है उन्होने अपने अपने क्षेत्रों में ज्ञान और कर्म का समावेश करते हुए मिसाल पेश की है। जिससे एक अच्छा समाज बनाया जा सकता है।

पूरे विश्व की निगाहें हमारी ओर

इस पर हम सबको सोचने की जरूरत है कि हम कैसे ऐसा समाज बनायें जिससे हम और हमारा पूरा कुटुम्ब आनन्दपूर्वक रह सके। ब्रह्माकुमारीज संस्थान लगातार इस अवधारणा को पूरा करने में प्रयास कर रहा है। पिछले 82 वर्षों से जिस तरह समाज के सभी वर्गों में इसे पहुंचाने की कोशिश की है वह परमात्मा के अलावा किसी व्यक्ति का मार्गदर्शन नहीं हो सकता है।आज पूरा विश्व गहरी निगाहों से देख रहा है। पूरे विश्व में हमारे देश की आध्यात्मिक संस्कृति की विरासत और मूल्यों का सोपान आदर्श प्रस्तुत करता है।

माइंड पॉवर

क्रोधी के प्रति हो दया की भावना

बीके शक्ति
मोटिवेशनल स्पीकर

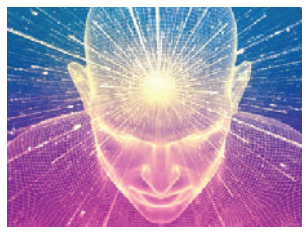

पिछले अंक की कहानी को हम यहां पूरा कर रहे हैं, आगे पढ़िए... तब वह बच्ची कहती है कि मैडम मुझे पता लग गया है कि गुस्सा करने से गले से खून निकलता है और वह खून फिर पेट में अंदर चला जाता है जिसकी वजह से कैंसर हो जाता है। मैं चुपचाप खड़ी होकर यह देख रही थी कि अब आप गुस्सा कर रही हैं। आपके गले से खून निकल रहा है और आपको कैंसर होगा और आप मर जाएंगी। मैडम को भी यह बात समझ आ जाती है और उनका एटीट्यूड तुरंत चेंज हो जाता है।

अब आप यह बताइए कि यदि कोई व्यक्ति गड्ढे में गिर रहा है तो आप उसको गड्ढे में गिराएंगे या उसे गड्ढे से निकालेंगे। तो जो व्यक्ति गुस्सा कर रहा है वह खुद का नुकसान कर रहा है और आगे चलकर उसे कैंसर हो जाएगा। तब आपके मन में उस व्यक्ति के प्रति गुस्सा आएगा या दया की भावना आएगी? तब हमारे मन में दया की भावना आएगी। चाहे वह व्यक्ति हमारे परिवार का हो या बाहर का, हमें गुस्सा करने वाली पर दया ही आएगी। आज हम परमात्मा के समक्ष एक संकल्प लेते हैं कि अपनी तरफ से जानबूझकर कभी भी अपने जीवन में गुस्सा नहीं करेंगे। और यदि कोई व्यक्ति गुस्सा करता भी है तो उसकी बात को कैंसिल करना है, और फिर पॉजिटिव बात को अपने जीवन में धारण करना है। आज से मुझे गुस्सा बिल्कुल भी नहीं करना है।

अब आप यह बताइए कि आप अपने घर का कचरा कूड़ा-कचरा कहां डालते हैं? हम अपने घर का कूड़ा कचरा कूड़ेदान में डालते हैं। आजकल दो व्यक्ति आपस में मिलते हैं या टेलीविजन में, समाचार में आप समाचार देखते हैं तब सबसे पहले कौन सी न्यूज़ होती है नेगेटिव या पॉजिटिव? नेगेटिव न्यूज होती है। कोई व्यक्ति आपको नेगेटिव सुना रहा है तब वह नेगेटिव बात आपके लिए अमृत है या कचरा है? नेगेटिव बात हमारे लिए कचरा है। यदि हम उस कचरे को लेते हैं तब हम कूड़ेदान बन जाते हैं।

तो जो भी मेडिटेशन करते हैं उन्हें पता है कि नेगेटिव बातें कचरा होती हैं और वह कचरा नहीं लेते और कूड़ेदान बनने से बच जाते हैं। अब मैं आपको बताऊंगा कि कचरे को दूर कैसे करना है। अभी क्या होता है कि आपके पास कोई व्यक्ति आया और नेगेटीविटी की बात सुनाते जा रहा है और आप क्या समझते जा रहे हैं कि यह बहुत अच्छी बात है। वह व्यक्ति सारा कूड़ा-कचरा आपको दे देता है, आप इसे ले लेते हैं। और उससे और अधिक पूछते हैं कि उस मोहल्ले का क्या हुआ, उस व्यक्ति का क्या हुआ। मतलब आप उससे और अधिक नेगेटिव बातें स्वीकार कर रहे हैं। जब आपके अंदर इतनी अधिक नेगेटीविटी आएगी तब क्या पॉजिटीविटी के लिए कोई स्थान रहेगा और जब आप मेडिटेशन में बैठेंगे, तब आपके माइंड में नेगेटिव बात पहले आएगी या पॉजीटिव बात पहले आएगी? नेगेटिव बात पहले आएगी।

तो हमें क्या करना है जो व्यक्ति नेगेटिव बातें ट्रांसफर करते हैं उन्हें पहले ही कह देना है कैंसिल..कैंसिल... कैंसिल। मतलब उन लोगों की नेगेटिव बात को अपने अंदर नहीं आने देना है नहीं तो क्या होगा जो नेगेटीविटी उन्होंने हमारे अंदर डाली वह निश्चित तौर पर बीमारी बनाएगी और फिर हम कितना भी इलाज करवा लें, अगर हमारे माइंड में बीमारी है तो उसका इलाज मुश्किल हो जाएगा और यदि माइंड में बीमारी आई तो हम उसका असर हमारी प्रैक्टिकल लाइफ पर भी पड़ेगा।

आध्यात्मिक फिल्म समीक्षा

परमात्मा कौन हैं, उनके गुण और कर्तव्य क्या हैं, सभी धर्मों का आधार को स्पष्ट करती 'गॉड्स ऑफ गॉड्स'

इस दुनिया के महान रहस्यों को जानने... जरूर देखें मूवी

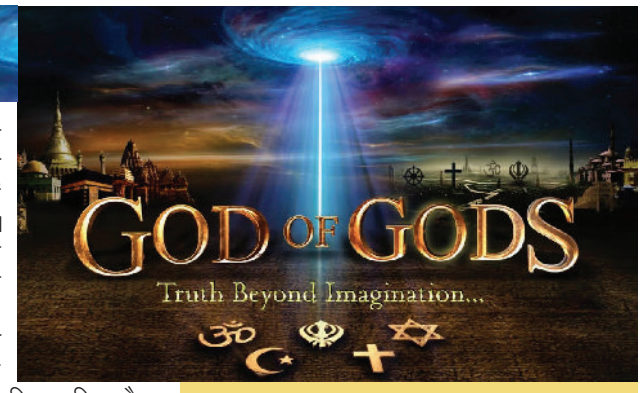

एक ईश्वर, विश्व एक परिवार की अवधारणा को स्पष्ट करती गॉड्स ऑफ गॉड्स। स्वर्णिम दुनिया (स्वर्ग) में गाय और शेर एक घाट पानी पीते थे। यह फिल्म ब्रह्माकुमारीज़ के फिल्म डिवीजन की ओर से बनाई गई फिल्म 'गॉड्स ऑफ गॉड्स' में तमाम धर्म, संप्रदाय और मान्यताओं के आधार पर यही बताने की कोशिश की गई है कि इस सृष्टि के रचनाकार, परमशक्ति, दिव्य शक्ति और परमसत्ता एक परमात्मा शिव ही है। उसे किसी ने अल्लाह, गॉड, नूर–ए–इलाही, गॉड इज लाइट, सत्नाम, एक ओंकार निराकार आदि नामों से पुकारा। लेकिन वास्तव में इस सृष्टि की सभी मनुष्य आत्माओं के पिता परमपिता परमात्मा शिव ही हैं। गॉड्स ऑफ गॉड्स फिल्म में सभी वेद–शास्त्रों, ग्रंथों के माध्यम से यह बताया गया है कि सभी धर्मों के ग्रंथों में कहीं न कहीं और किसी न किसी रूप में ज्योति की व्याख्या की गई है। फिल्म इस मायने में भी देखने लायक है कि यदि हमारे अंदर प्रश्न हैं कि सत्य क्या है? ईश्वर कौन हैं? वह क्या करते हैं? सृष्टि का रहस्य क्या है? यह सब कुछ मिलेगा।

लेखक-निर्देशकः बीके वेंकटेश गोपाल, **निर्माता-** जगमोहन गर्ग, आईएमएस रेड्डी, करुणाकरा शेट्टी, जॉन उरीच सॉस

आर्ट डायरेक्टरः थोट्टा भानू, **म्यूजिकः** लक्ष्मीकांत प्यारेलाल, व्योशुआ मलिक, लक्ष्मी नारायण, **लेरिक्सः** पंडित किरण मिश्रा, लक्ष्मी नारायण, माधव राज डटार, करण टोलानी, **कोरियोग्राफरः** श्रुति मर्चेंट, संपत राज, किरण श्रीयान, ... अजीत सिंगल, पॉल हेनरी, **प्ले बेक सिंगरः** श्रेया घोषाल, वीवी प्रशन्ना, रवीन्द्र सथे जोशी संचीती नेगी, रनिया दगर

अध्यात्म के माध्यम से समाज को दिशा देने का प्रयास सराहनीय - न्यायमूर्ति शम्भूनाथ

शिव आमंत्रण, रायपुरः प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा विधानसभा मार्ग पर शान्ति सरोवर में आयोजित महाशिवरात्रि महोत्सव का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ प्रमुख लोकायुक्त न्यायमूर्ति शम्भूनाथ श्रीवास्तव और क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी कमला ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी सविता और रश्मि भी उपस्थित थीं। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रमुख लोकायुक्त न्यायमूर्ति शम्भूनाथ श्रीवास्तव ने कहा कि आज भारत की राजयोग से पवित्र बनाया जा सकता है।क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी कमला ने कहा कि परमात्मा के ज्ञान से अज्ञान अंधकार दूर हो जाता है।